Publication	Edition	Date	Page
Hindustan	Jharkhand	9th Nov 2014	15

झारखंड में गारमेंट उद्योग की काफी संभावनाएं

नामकुम | संवाददाता

नामकुम के रियाडा बिल्डिंग में एटीडीसी व आइआइजीएम के संयुक्त तत्वावधान में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन झारक्राफ्ट के एमडी धीरेन्द्र कुमार किया। उन्होंने कहा कि सरकार गारमेंट उद्योग के विकास के लिए कई योजनाएं चला रही हैं।

इसमें टीयूएफएफ के कई स्कीम हैं। झारखंड में गारमेंटस उद्योग की काफी संभावनाएं है। कार्यशाला मे जुकी सिलाई मशीन कंपनी के ब्रांच मैनेजर गोविन्द प्रसाद सिंह ने बताया कि वर्तमान दौर में डेसिंग की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा है। इसके लिए कंपनी ने कई हाइटेक मशीन बाजार में उतारी है। ये मशीनें कम खर्च में फैशन की जरूरत मुताबिक कपड़ों की सिलाई और अन्य कार्य को अंजाम देने में सक्षम है।

इन मशीनों से 60 प्रतिशत बिजली की बचत हो सकती है। इनवर्टर और बैट्री से मशीन को चला सकते हैं।

एटीडीसी के आरिफ नदीम नें उद्योग लगाने वाले जुकी मशीन के खरीदारों को बेहतर ऑपरेटर व डिजाइनर उपलब्ध करने की बात कही। मौके पर आइआइजीएम के राजीव रंजन, सविता सिलाई मशीन के गिरीश ढींगरा सहित अन्य उपस्थित थे।